DATE 29.4.24
PAGE No. 1

टेंडर हार्ट हाई स्कूल सेक्टर-33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग' भाग- 1

पुस्तक नवतरंग (भाग-8)

पाठ-3 'समय की सुरंग' लेखक - एच. जी. वेल्स

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-3 'समय की सुरंग' कक्षा-8 की हिन्दी साहित्य की पाठ्य पुस्तक नवतरंग भाग-8 की पृष्ठ संख्या 18 पर दिया गया है।

प्यारे बच्चो! आप अपनी पुस्तक का पृष्ठ-18 खोलें, साथ ही हिंदी की अभ्यास-पुस्तिका भी खोलकर रख लें क्योंकि पाठ पढ़ाते समय मैं आपसे प्रश्न पूछती जाऊँगी। इन प्रश्नों के उत्तर आप अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

सर्वप्रथम पाठ को सुनना व समझना अति आवश्यक है। आइए! पहले पाठ के बारे में कुछ शुरू की जानकारी ले लेते हैं। 'समय की सुरंग' नामक इस उपन्यास के अंश के लेखक एच. जी. वेल्स हैं। प्रस्तुत पाठ में लेखक एक वैज्ञानिक हैं जो प्रयोगशाला के दरवाज़े पर, बिखरे बाल, कोट पर जमी धूल और भयभीत खड़े हैं। उन्होंने अपने मित्रों को बताया कि मैंने एक कालयंत्र नामक मशीन बनाई है जिस पर बैठकर काल की यात्रा की जा सकती है।

बच्चो! क्या आपने सोचा है कभी कि आपको ऐसी मशीन मिल जाए जिसमें बैठकर आप बीते हुए समय में जा सकें या आने वाले समय की दुनिया में घूम सकें? क्या किसी वैज्ञानिक ने ऐसी मशीन बना ली है? कालयात्री के मित्रों ने कहा— (पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग'

हाँ! हमारे मित्र ने एक ऐसी मशीन बनाई थी। उसका नाम रखा था - टाइम मशीन। उसका दावा था कि यह मशीन 'काल' की यात्रा करने में सक्षम थी। काल की यात्रा - अर्थात् उस मशीन पर बैठकर वह अतीत में जा सकता था, भविष्य की सैर कर सकता था। इसलिए हमने अपने मित्र को नाम दिया था - कालयात्री।

उसने हमें इस मशीन के बारे में कई बार बताया था। उसका आकार एक कुर्सी जैसा था। उसमें अनेक यंत्र लगे हुए थे। उसमें दो हैंडल भी लगे हुए थे। एक हैंडल घुमाने से भविष्य की सैर की जा सकती थी। वहीं दूसरा हैंडल अतीत में ले जाता था।

'कालयात्री' ने अपने मित्रों को आज भोज के लिए बुलाया था। जब वे उसके निवास स्थान पर पहुँचे, तब न तो कालयात्री वहाँ था और न उसका 'कालयंत्र' अर्थात् टाइम मशीन। उन्हें एक पत्र मिला। जिसमें लिखा था कि सात बजे तक यदि मैं नहीं आया तो भोजन कर लेना। तभी अचानक लेखक बदहवास हालत में आया। थोड़ी देर रुककर उसने अपने मित्रों को बताया कि आज सुबह ही वह 'कालयंत्र' का परीक्षण करने के लिए उस पर बैठा, जैसे ही उसने भविष्य की यात्रा के लिए हैंडल खींचा तभी घड़ी की सुइयाँ तेज़ी से बढ़ने लगीं। पल भरते ही वह इक्कीसवीं सदी में तथा दूसरे पल ही वह बाइसवीं सदी में पहुँच गया। उसे लगा कि इस प्रकार तो यात्रा का अंत नहीं होगा इसलिए उसने जल्दी से हैंडल खींच दिया। अगले पल सैकड़ों बिजलियों के कड़कड़ाने की आवाज़ आई। भयभीत होकर उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। थोड़ी देर बाद उसने स्वयं को एक हरे-भरे मैदान में पाया।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3) समय की सुरंग

उस हरे-भरे मैदान में उसके सामने एक विशाल मूर्ति थी। मिस्र के पिरामिडों के पास बने स्फिंक्स जैसी। मूर्ति के दोनों ओर पंख थे। मूर्ति से कुछ दूरी पर आकाश को छूने वाली ऊँची-ऊँची इमारतें थीं। पर कहीं कोई व्यक्ति नज़र नहीं आ रहा था। वह गहरी सोच में पड़ गया।

बच्चो! अब मैं आपको इस गद्य खण्ड में आए कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताने जा रही हूँ। सब बच्चे इन शब्दार्थ को अपनी हिन्दी की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

शब्दार्थ :-

(1) सक्षम - समर्थ, योग्य (2) अतीत - बीता समय (3) सहसा - अचानक (4) बदहवास - बेहोश/अचेत (5) परीक्षण - जाँच (6) स्फिंक्स - एक कल्पित जीव जिसका शरीर सिंह जैसा और मुख स्त्री जैसा होता है। (7) गगनचुंबी - आकाश को चूमने वाली या छूने वाली (8) अट्टालिकाएँ - ऊँची इमारत।

बच्चो! अब मैं पाठ को आगे पढ़ती हूँ। आप इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

तभी कालयात्री ने देखा कि पंखदार मूर्ति के पास से कुछ लोग उसकी ओर चले आ रहे हैं। वे बेहद सुंदर और मधुर भाषी थे। उनकी मधुर भाषा उसे समझ में न आई। उनमें से एक ने सूर्य की ओर संकेत करके उससे पूछा कि क्या वह सूर्य से आया है? इतने में एक ने उसके गले में फूलों का हार डाल दिया।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं **शिक्षिका**- श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग'

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ पाठ से संबंधित प्रश्न पूछूँगी।
पूछे गए प्रश्नोत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-(1) लेखक ने किस यंत्र की रचना की?
प्रश्न-(2) लेखक ने अपने मित्रों को उस यंत्र के बारे में क्या बताया?
प्रश्न-(3) आँखें खुलने के बाद लेखक ने स्वयं को कहाँ पाया?

इन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं-

उत्तर-(1) लेखक एच. जी. वेल्स ने 'कालयंत्र' अर्थात् टाइम मशीन की रचना की।
उत्तर-(2) लेखक ने अपने मित्रों को बताया कि (मशीन) यंत्र का आकार एक कुर्सी जैसा, जिसमें अनेक यंत्र, दो हैंडल लगे हुए थे। एक हैंडल घुमाने से भविष्य की सैर की जा सकती थी वहीं दूसरा हैंडल अतीत में ले जाता था।
उत्तर-(3) आँखें खुलने के बाद लेखक ने स्वयं को एक हरे-भरे मैदान में पाया।

प्यारे बच्चो! अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं। आप सभी ध्यान को केंद्रित कर पाठ को सुनें व समझें।

वे नन्हे लोग उसे एक संगमरमर की ऊँची इमारत में ले गए, जहाँ लगभग सौ लोग

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग'

फ़र्श पर बैठे हँसते हुए बातें कर रहे थे। उनके सामने चौकियाँ थीं जिन पर सुंदर पात्रों में तरह-तरह के फल रखे थे। वे सब बच्चों जैसे थे। वे उसे उत्सुकता से देखते, बच्चों की तरह दौड़कर उसके पास आते, उसे छूते, फिर किलकारी मारकर लौट जाते।

इमारत से बाहर आते ही उसे कालयंत्र अपने स्थान पर दिखाई न दिया। कालयंत्र को स्फिंक्स के पास न पाकर वह घबरा गया कि अपनी दुनिया में वह कैसे लौटेगा? वह निराश हो गया। सुबह होते ही वह उसी स्थान पर पहुँचा जहाँ कालयंत्र छोड़ा था। तभी उसकी नज़र ज़मीन पर बनी लकीर पर पड़ी। वह लकीर के सहारे आगे बढ़ा तो लकीर पंखदार मूर्ति के चबूतरे पर खत्म हुई। लेखक समझ गया कि कालयंत्र इसी चबूतरे में छिपाया गया है, पर उसे चबूतरे के भीतर जाने का मार्ग नहीं मिल पा रहा था। उसने धैर्य से काम लिया और अपने आस-पास देखने लगा। नन्हे सुंदर लोग भी उसे पंखदार मूर्ति के पास देखकर डर गए। इसका रहस्य उसे तब पता चला जब एक दिन वह विश्राम कर रहा था, अचानक उसे अनुभव हुआ कि कोई उसे छू रहा है। टार्च जलाकर देखा तो एक विचित्र जीव जिसकी बड़ी-बड़ी, लाल-लाल आँखें और लंबे-लंबे बाल थे। वह पलक झपकते ही दौड़कर गायब हो गया। लेखक ने जब कुएँ में टॉर्च की रोशनी फेंकी तो देखा वही जीव नीचे तेज़ी से उतर रहा था। लेखक समझ गया कि भविष्य की इस दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक जो अंधकार से डरते हैं इसलिए प्रकाश के समय धरती पर रहते हैं। थोड़े समय में ही उसे पता चला कि रात होते ही वे इमारतों में छिप जाते हैं।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- श्रीमती सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3) 'समय की सुरंग

दूसरे वे जो धरती के नीचे कुएँ में अँधकार में रहते हैं। थोड़े समय में उसका वीणा नाम की एक युवती से परिचय हो गया। उस युवती ने इशारों में ही धरती के नीचे रहने वाले लोगों के बारे में बताया, उसके आधार पर लेखक ने ऐसे लोगों का नाम रखा — मारलॉक।

बच्चो! आज हम पाठ को यहीं समाप्त करते हैं। पाठ का शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ाया जाएगा। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। इस कार्य को सभी छात्र अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य :- अब तक हमने जितना पाठ पढ़ लिया है, उसे सभी विद्यार्थी उच्च स्वर में बोलकर पढ़ेंगे। साथ ही जो शब्दार्थ मेरे द्वारा बताए गए हैं उन्हें अपनी पुस्तिका में लिखेंगे।

बच्चे अपने अभिभावकों के समक्ष पाठ को पढ़ेंगे व समझेंगे। अब मैं आपको कुछ प्रश्न लिखने को दे रही हूँ। सब बच्चे इनके उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न-(1) लेखक की आँखों में आँसू क्यों आ गए?
प्रश्न-(2) लेखक का परिचय किससे हुआ?
प्रश्न-(3 कालयंत्र कहाँ छिपाया हुआ था?

* अंतिम पृष्ठ *

Scanned with CamScanner